K-797

Total Pages : 3 Roll No. .....

MAJY-504

ग्रहण, वेध-यन्त्र तथा गोल परिचय-01

MA Jyotish (MAJY)

1st Semester Examination 2023 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. सूर्यग्रहण एवं चन्द्रग्रहण के ज्योतिषशास्त्रीय नियमों का उल्लेख कीजिए।

2. ग्रहण में पात एवं महत्व पर प्रकाश डालिए।

3. शर एवं बलन का क्षेत्र सहित वर्णन कीजिए।

4. कृष्णपक्ष में सूर्यास्त के पश्चात् चन्द्रोदय काल का ज्ञान कैसे करते है। श्रृंगोन्नति को क्षेत्र के माध्यम से प्रदर्शित करें।

अथवा

टिप्पणी लिखें-

(क) ग्रहण।

(ख) युति।

5. कालांश से आप क्या समझते हैं? विस्तृत वर्णन कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. नक्षत्रों के कालांश का उल्लेख कीजिए।

2. पात की स्थिति काल का फल लिखते हुए पात में विशेष विचारणीय विषय का प्रतिपादन करें।

3. वैधृति-व्यतिपात का लक्षण लिखिए।

4. अयनाक्ष दृक्कर्म का सक्षेत्र वर्णन कीजिए।

5. लम्बन एवं नति से आप क्या समझते हैं?

6. सूर्यसिद्धान्त के अनुसार चन्द्रमा का सूर्यसान्निध्यि के कारण दृश्यादृश्य कथन का लेखन कीजिए।

7. ग्रहण के वैज्ञानिक महत्व का प्रतिपादन अपने शब्दों में कीजिए।

8. सोदाहरण शुक्लांगुल साधन कीजिए।